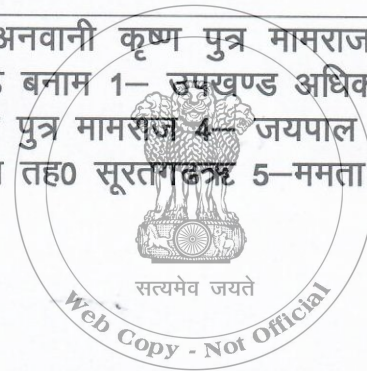


मुन्तकिली प्रकरण सं० 40/2017 अनवानी कृष्ण पुत्र मामराज जाति भाट
निवासी रघुनाथपुरा तहसील सूरतगढ़ बनाम 1- उपखण्ड अधिकारी सूरतगढ़
2- मामराज पुत्र टीकूराम 3-हरीराम पुत्र मामराज 4- जयपाल पुत्र मामराज
जाति भाट निवासी 2 डीडबल्यूएसएम तह० सूरतगढ़ 5-ममता 6-नन्दलाल
7-दिनोदकुमार



#37

18.09.2017

प्रार्थी के अभिभाषक श्री विजय रेवाड़ उपस्थित है। उन्हें एडमिशन के बिन्दु पर सुना गया एवं पत्रावली का अवलोकन किया गया।

प्रार्थी के अभिभाषक श्री विजय रेवाड़ का कथन है कि उपखण्ड अधिकारी, सूरतगढ़ के न्यायालय में लंबित वाद सं० 31/2017 अनवानी कृष्ण बनाम मामराज वगैरा मय स्थगन प्रार्थना पत्र संख्या 19/2017 में निष्पक्ष न्याय न मिलने की संभावना के आधार पर अन्यत्र सक्षम न्यायालय में मुन्तकिल किये जाने के लिए यह मुन्तकिली प्रा० पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया था। चूंकि अब पीठासीन अधिकारी श्री बनवारीलाल, उपखण्ड अधिकारी, सूरतगढ़ का अन्यत्र स्थानान्तरण हो गया है इसलिए यह मुन्तकिली प्रा० पत्र निष्प्रभावी अर्थात् फलहीन हो गया है। यदि उनका यह मुन्तकिली प्रा० पत्र इसी आधार पर खारिज किया जाता है तो उन्हें कोई आपति है।

मैंने उक्त तर्कों पर मनन किया एवं पत्रावली का अवलोकन किया तो पाया कि प्रार्थी द्वारा यह मुन्तकिली प्रा० पत्र उपखण्ड अधिकारी, सूरतगढ़ के न्यायालय में लंबित वाद सं० 31/2017 अनवानी कृष्ण बनाम मामराज वगैरा मय स्थगन प्रार्थना पत्र संख्या 19/2017 में निष्पक्ष न्याय न मिलने की संभावना के आधार पर अन्यत्र सक्षम न्यायालय में मुन्तकिल करवाने के लिए प्रस्तुत किया गया था। अब चूंकि तत्कालीन उपखण्ड अधिकारी, सूरतगढ़ श्री बनवारीलाल का अन्यत्र स्थानान्तरण हो गया है इसलिए यह मुन्तकिली प्रा० पत्र निष्प्रभावी अर्थात् फलहीन होने के कारण खारिज करने योग्य है।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी का यह मुकदमा मुन्तकिली प्रा० पत्र खारिज किया जाता है। आदेश की प्रति उपखण्ड अधिकारी, सूरतगढ़ को पालनार्थ भिजवाई जावे। पत्रावली बाद तरतीब तकमील दाखिल दफतर हो।

यह आदेश आज दिनांक 18.09.2017 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

शानि
(ज्ञाना राम)

जिला कलेक्टर
श्रीगंगानगर

1769
25-9-17